

# विश्व न्याय मंदिर

रिज़वान 2004

विश्व के बहाइयों को

परम प्रिय मित्रगण

पाँच वर्षीय योजना के तीन वर्ष बीत चुके हैं। चार वर्षीय योजना के दौरान जिन प्रक्रियाओं को प्रारम्भ किया गया था, बारह महीने की योजना के दौरान बच्चों की बहाई शिक्षा की ओर विशेष ध्यान देकर जिन्हें मजबूती दी गई और फिर पिछले सालों में जिनके लिए अथक प्रयास किये गए, वे अब हमारी उन उच्च आकांक्षाओं को पूरी कर रही हैं, जिनके साथ उन्हें शुरू किया गया था। दुनिया के हर हिस्से में योजना में तीन प्रतिभागियों-व्यक्ति, समुदाय और संस्थाओं-में से प्रत्येक, अपनी खास भूमिका निबाहते हुए, एक-दूसरे के कार्यों को बल प्रदान कर रहे हैं। स्टडी सर्कल, बच्चों की कक्षाएँ और भक्तिपरक बैठकों जैसे मूल क्रियाकलाप आवश्यक तत्व बन चुके हैं और एक-दूसरे को बढ़ावा देने वाली उपलब्धियां बनी हैं, जो बहाई सामुदायिक जीवन के अन्य सभी तत्वों को शक्ति और सफलता प्रदान कर रही हैं। मानव संसाधन बढ़ाये जा रहे हैं और इस बढ़ती हुई शक्ति की नई मांगों के प्रति स्थानीय आध्यात्मिक सभायें अनुकूल सक्रियता प्रदर्शित कर रही हैं।

दुनिया भर में बच्चों की बहाई शिक्षा के लिये जिस क्षमता का विकास हुआ है वह असाधारण रूप से प्रशंसनीय है। किशोरों के आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिये किये गये प्रारम्भिक प्रयास सफलता पा रहे हैं। समुदायसमूहों के प्रत्येक क्रियाकलाप के एक स्तर से उच्चतर स्तर तक जाने की गति अब नजर आने लगी है और जैसे-जैसे यह गति तेज हो रही है, समर्पित अनुयायियों के समूह के गिर्द ऐसे लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं जो अभी बहाई नहीं हुए हैं, लेकिन योजना की मूल गतिविधियों में बड़े उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं। कुछ विकसित समुदायसमूहों में सघन विकास के प्रशासनिक ढाँचे नजर आने लगे हैं। राष्ट्रीय सभाओं ने अपने देशों के सभी समुदायसमूहों की जरूरतों का ध्यान रखते हुए, कुछ वैसे प्राथमिकता प्राप्त समुदायसमूहों की ओर अपना विशेष ध्यान केन्द्रित करने के महत्व को जान लिया है जिन्होंने अधिक सम्भावनाओं का प्रदर्शन किया है, उन्हें तब तक प्रोत्साहित और विकसित करते रहने की योजना बनाई है जब तक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से उनके द्वारा विकसित किये गये मानव संसाधन उन्हें द्रुत और निरंतर विकास के केन्द्र बन जाने के योग्य नहीं बना देते।

जैसा अनुमान लगाया गया था, प्रशिक्षण संस्थान विकास का इंजन सिद्ध हो रहा है। अपने समुदायों में उपलब्ध अवसरों और उनकी जरूरतों का निर्धारण कर, अधिकतर राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाओं ने रूही संस्थान द्वारा विकसित पाठ्य सामग्रियों को अपनाने का फैसला किया है क्योंकि

ये योजना की जरूरतों के लिये सबसे ज्यादा कारगर पाये गए। इसका समान रूप से यह लाभ हुआ कि इस सामग्री का अनेक भाषाओं में अनुवाद किया गया और जहाँ कहीं भी बहाई जाते हैं वहाँ अन्य मित्रों को समान राह पर चलते हुए पाते हैं और पुस्तकों तथा अध्ययन-प्रणालियों से परिचित पाते हैं।

विरोधी विचारों और हितों से क्षत-विक्षत अव्यवस्थित अंतर्राष्ट्रीय समाज बढ़ते हुए आतंकवाद, अराजकता और भ्रष्टाचार का सामना कर रहा है और आर्थिक विफलता, गरीबी तथा बीमारी से त्रस्त हो चुका है। इन सब के बीच दिव्यदर्शन से प्रेरित, ठोस आधार पर खड़ा बहाई समुदाय अब अधिक साफ तौर पर नजर आने लगा है जो वर्तमान प्रक्रियाओं के माध्यम से शक्तिसम्पन्न बन रहा है और राह में आने वाली बाधाओं से अविचलित है। अकल्पित परिस्थितियों का बहाई विश्व द्वारा सामना किये जाने की क्षमता का एक उदाहरण एक साल पहले देखने को मिला, जब भिन्न प्रकार के खतरों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय बहाई अधिवेशन को रद्द करना पड़ा; विश्व न्याय मंदिर का चुनाव समय पर किया गया और बिना कुछ खोये योजना आगे बढ़ती गई। साथ ही, ईराक में विघटन और अव्यवस्था के बावजूद, उस देश में बहाइयों से सम्पर्क स्थापित कर पाना सम्भव हुआ, उनकी स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं को पुनर्गठित किया जा सका। अब हम अत्यन्त हर्ष के साथ इस रिज़वान पर ईराक के बहाइयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के चुनाव की घोषणा करते हैं, जिसकी स्थापना तीस साल से अधिक समय तक के असह्य दमन के बाद फिर से की जा सकेगी और जिसने अब अंतर्राष्ट्रीय बहाई समुदाय में अपना उचित स्थान ग्रहण किया है।

इस मुकाम पर दिव्य योजना की यह मांग है कि हम पूरे विश्वास और सक्रियता के साथ वर्तमान दिशा में बढ़ते चलें और मानव-संसार को झकझोरने वाले तूफानों के भय से न रूकें। आश्वस्त रहें कि आशीर्वादित सौन्दर्य आपका मार्गदर्शन करेंगे और देवदूतों के समूह प्रभुधर्म की प्रगति के लिये आपके द्वारा किये गये प्रत्येक प्रयास को शक्ति प्रदान करेंगे।

-विश्व न्याय मंदिर